



रह. न० (रहस्य) अज्ञान्त. एकान्त; अकेला;
गृह. In the secret; seclusion.
सु० न० ८, ४६; उवा० १, ४६; —पठ.
वि० (—प्राप्त) अज्ञान्त स्थाने पामेल.
एकान्त स्थल प्राप्त. (one) gone to a
lonely place.

—देष्य. पु०
(-स्तेन) रूपेण चोर; शुभ्य न हे.य
छतां शुभ्येना देभाप करे ते. रूप का चोर;
शुभ्यो के न होते हुए भी शुभ्यो होने का होंग
रक्ने वाला. A thief of form;
(one) who passes himself for
a man possessed of merits.





साइली. की० (शाकिली) भाग्यसनी ९१
थी १०० वरस सुधीनी छेडी अवरथा
के ले शाकिलीनी भाइक मनुष्य अवननु अह्य
करी गय छे. ९१ से १०० तक की मनुष्य
की अन्तिम अवस्था जो शाकिली के समान मनुष्य
जीवन का मक्षण करलेती है The last
stage of a man from 91 to
100 years when he eats up
the life like a vegetable.